RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 193
दि. 14.11.2025, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

सीएम योगी ने जनजाति भागीदारी उत्सव का किया शुभारंभ, बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ(जीएनएस)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जनजाति भागीदारी उत्सव का मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 1 से 15 नवंबर तक जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जनजाति समाज को अपनी परंपरा, गौरव पर अनुभूति हो और समाज राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हो इस कोशिश में यह उत्सव किया जा रहा है। इस उत्सव में 22 राज्यों के जनजाति समाज के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ ही कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

उत्सव में सांस्कृतिक समागम और यात्रा के माध्यम से लोग जुड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश पार्टनर राज्य होने के साथ ही अन्य राज्यों के कलाकार यूपी में आकर इसके सहभागी बन रहे हैं। उत्सव में हस्तशिल्प और कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला भी लग रहा है। इस उत्सव के

माध्यम से हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सम्मान व्यक्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साल हमारे लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह वर्ष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पूरे होने के साथ ही बिरसा मुंडा की जयंती के 150 साल पूरे होने का वर्ष भी है। यह वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम के भी 150 वर्ष में प्रवेश का वर्ष भी है। वह अमरगीत जिसने स्वाधीनता को नया मंत्र दिया था। यह वर्ष भारत के संविधान, एकता और अखंडता की आत्मा बन गया है।

पुलिस भर्ती में जनजाति समाज के लोगों को मिला मौका

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे।

इसके लिए उन्होंने अभियान चलाया। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ा और 25 साल में रांची की जेल में अंतिम सांस ली। उनका कहना था कि देश हमारा है तो राज भी हमारा होना चाहिए। ब्रिटिश हुकूमत राज न करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रेरणा दी है कि एक पूरा जनजाति गौरव पखवाड़ा मना रहे हैं। उनकी परंपरा, संस्कृति को प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। यूपी देश की आबादी का सबसे बड़ा प्रदेश है। जनजाति समुदाय की आबादी कुल की अपेक्षा कम है। पहले सरकारी नौकरी के लिए जनजाति की सभी सीटें नहीं भरती थी। अब पुलिस भर्ती में जनजाति समाज की सभी सीटें भरी हैं। उनकी शिक्षा और भागीदारी बढ़ी है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। हमारी सरकार ने तय किया है कि जो भी जनजाति यूपी में हैं उनको उनका अधिकार मिले। सरकार इसके लिए काम करेगी। थारू, मुसहर, चेरो, कोल और गौड़ आदि को सभी सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने को अभियान चलाया गया है। आज ज्यादातर जातियां सभी जरूरी सुविधाओं को पा रही हैं।

पीएम मोदी बोले: निर्यात को बढ़ावा देने के फैसले से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा, आत्मनिर्भर भारत के सपने को मिलेगा बल

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार के ताजा कैबिनेट फैसले भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देंगे। बता दें कि बुधवार को हुई बैठक में निर्यात प्रोत्साहन मिशन और निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार के ताजा कैबिनेट फैसले भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 'निर्यात प्रोत्साहन मिशन' और 'निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना' को मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सुनिश्चित कर रहे हैं कि 'मेड इन इंडिया' की गूंज पूरी दुनिया में और तेजी से सुनाई दे! कैबिनेट ने 'निर्यात प्रोत्साहन मिशन' को मंजूरी दी है, जो भारत के निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा, एमएसएमई, नए और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूती देगा।

उन्होंने कहा कि यह मिशन सभी संबंधित पक्षों को एक मंच पर लाएगा और परिणाम-आधारित तथा प्रभावी तंत्र तैयार करेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 'निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना' से व्यवसाय सुचारू रूप से चल सकेगा, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और आत्मनिर्भर भारत के सपने को गति मिलेगी।

अस्पताल से धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने की वजह आई सामने, बेटे सनी और बॉबी ने मानी इनकी बात, डॉक्टर ने बताया सच

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अब बेहतर महसूस कर रहे हैं। हाल ही में वे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए थे। 10 नवंबर को सांस लेने में तकलीफ

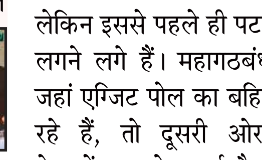

बढ़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज हुआ। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ समय के लिए उनकी स्थिति गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। हालांकि, 12 नवंबर को उनकी तबीयत में सुधार देखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

डॉ. प्रतित समदानी ने बताया कि धर्मेंद्र को डिस्चार्ज करने का निर्णय उनके परिवार की इच्छा पर लिया गया।

नतीजों से पहले ही जेडीयू के खेमे का जोश हाई, 'टाइगर जिंदा है' के लगे पोस्टर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे, लेकिन इससे पहले ही पटना में पोस्टर लगने लगे हैं। महागठबंधन के नेता जहां एग्जिट पोल का बहिष्कार कर रहे हैं, तो दूसरी ओर एनडीए नेताओं का जोश हाई है। पटना में अभी से पोस्टर वार शुरू हो गया है। नीतीश कुमार के समर्थकों ने 'टाइगर अभी जिंदा है' का पोस्टर लगाया है। जेडीयू कार्यालय के सामने यह पोस्टर लगाया गया है जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।

विधानसभा चुनाव नतीजों को देखते हुए पूरे प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। ईवीएम और वीवीपैट को दो लेयर की सुरक्षा में रखा गया है। काउंटिंग सेंटर पर भी सुरक्षा के लिए टीमें मुस्तैद हैं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद सुरक्षा व्यवस्था हाई अलर्ट पर है। नतीजे आने में अभी 24 घंटे से भी कम का वक्त है और प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों से पहले लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए की सत्ता में वापसी की उम्मीद जताई गई है। कुछ एग्जिट पोल में कांटे की टक्कर का अनुमान जताया गया है। संकेतों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि महिला वोटरों के दम पर नीतीश फिर से सीएम की कुर्सी तक पहुंच सकते हैं। इसके बाद से पटना में जेडीयू समर्थकों का जोश हाई है। पार्टी कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में लिखा है, 'टाइगर अभी जिंदा है!'

पोस्टर पर दलित, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, सवर्ण और अल्पसंख्यकों का भी जिक्र किया गया है। यह पोस्टर एक संदेश देने की कोशिश है कि नीतीश कुमार ने राज्य के मुखिया के तौर पर हर वर्ग और समुदाय के कल्याण का ख्याल रखा है। हालांकि, अब शुक्रवार को मतपेटी खुलने के बाद ही पता चलेगा कि प्रदेश की जनता ने किस पर भरोसा जताया है।

श्वेत क्रांति से राष्ट्र क्रांति की ओर प्रयाण: केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने वर्चुअल माध्यम से सैनिक स्कूल का लोकार्पण किया

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह :-

- भारत की आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है और इस लड़ाई में वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री का नाम शीर्ष पर
- सहकारी क्षेत्र के अग्रणियों की मेहनत से आज देश और राज्य के किसानों, पशुपालकों और गांवों के लिए समृद्धि के द्वार खुले हैं

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रबल राष्ट्रभावना उत्तर गुजरात का स्वभाव रहा है
- सैनिक स्कूल 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' के ध्येय के साथ भावी पीढ़ी के निर्माण का माध्यम बनेगा
- मुख्यमंत्री के करकमलों से राष्ट्रीय भावना, साहस, अनुशासन और मां भारती के लिए समर्पित श्री मोतीभाई आर चौधरी सैनिक स्कूल का लोकार्पण
- 30 मीट्रिक टन दैनिक प्रोसेसिंग तथा पैकेजिंग की क्षमता वाले खेरालू सागर ऑर्गेनिक प्लांट का ई-लोकार्पण

गांधीनगर, 13 नवंबर : केंद्रीय गृह एवं सहकरिता मंत्री श्री अमित शाह की वर्चुअल उपस्थिति तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गुरुवार को मेहसाणा जिले के बोरियावी में श्री मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ।

समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए बम विस्फोट में जान गंवाने वाले मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के प्रति गहरी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कृत्य में शामिल लोगों को कठोर से कठोर से सजा दिलाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है और इस लड़ाई में वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री का नाम शीर्ष पर है।

उन्होंने सागर सैनिक स्कूल के लोकार्पण अवसर पर कहा कि मोतीभाई चौधरी की सादगी और आदर्श जीवन सहकारी क्षेत्र के अग्रणियों के लिए मार्गदर्शक बना है, सहकारी क्षेत्र के ऐसे अनेकों अग्रणियों की मेहनत से आज देश और राज्य के किसानों, पशुपालकों और गांवों के लिए समृद्धि के द्वार खुल गए हैं।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प के चलते आज सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर देश में 100 नए सैनिक स्कूलों का निर्माण हुआ है, जिससे राष्ट्र के बालक सेना में पहुंच रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने खेरालू में ऑर्गेनिक प्लांट के लोकार्पण अवसर पर कहा कि इस प्लांट से किसानों की आय में सुधार के साथ-साथ देश के नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। अमूल जैसे विश्वसनीय ब्रांड से वैश्विक स्तर पर इन उत्पादों की मांग होगी, जिससे प्राकृतिक-ऑर्गेनिक उत्पाद उगाने वाले किसान समृद्ध होंगे। उन्होंने किसानों से अपने परिवार के लिए ऑर्गेनिक उत्पादों का उपभोग करने की भी अपील की।

केंद्रीय मंत्री ने दूधसागर डेयरी के सहकारी मॉडल की बात करते हुए कहा कि 1960 में 3300 लीटर की क्षमता के साथ शुरू हुई यह डेयरी आज 35 लाख लीटर दूध का उत्पादन कर रही है। दस लाख उत्पादकों के साथ 8000 करोड़ रुपए के टर्नओवर वाली इस डेयरी के माध्यम से राज्य की महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं और राष्ट्र के विकास में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दे रही हैं।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि दूध सागर डेयरी और बनास डेयरी अर्थव्यवस्था के बदलाव का सहकारी क्षेत्र का मॉडल हैं। उन्होंने राज्य के डेयरी मॉडल को समझने के लिए देश के 50 सांसदों द्वारा किए गए बनासकांठा के दौरे के बारे में भी चर्चा की।

बोत्सवाना ने परियोजना चीता के अगले चरण के लिए भारत को आठ चीते भेंट किए, राष्ट्रपति ने मोकोलोडी नेचर रिजर्व में प्रतीकात्मक विमोचन देखा

उपराष्ट्रपति और बोत्सवाना के अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

राष्ट्रपति ने बोत्सवाना में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया

भारत के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए बोत्सवाना की प्रगति में योगदान जारी रखें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय समुदाय से की अपील

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बोत्सवाना के राष्ट्रपति, महामहिम एडवोकेट ड्यूमा गिदोन बोको के साथ आज सुबह (13 नवंबर, 2025) मोकोलोडी नेचर रिजर्व का दौरा किया। दोनों नेताओं ने भारत और बोत्सवाना के विशेषज्ञों की ओर से घांजी क्षेत्र से पकड़े गए चीतों

को क्वारंटाइन केंद्र में छोड़े जाने के दृश्य को देखा। यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत बोत्सवाना की ओर से भारत को आठ चीतों के प्रतीकात्मक दान का प्रतीक है। यह आयोजन वन्यजीव संरक्षण में भारत-बोत्सवाना सहयोग में एक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है।

बाद में, अलग-अलग बैठकों में, बोत्सवाना के उपराष्ट्रपति महामहिम नदाबा नकोसिनथी गौलाथे और अंतर्राष्ट्रीय संबंध मंत्री माननीय डॉ. फेन्यो बुटाले ने राष्ट्रपति से मुलाकात की।

नई दिल्ली रवाना होने से पहले, राष्ट्रपति ने गाबोरोन में भारत के उच्चायुक्त द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में बोत्सवाना में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया। इस अवसर पर जल शक्ति और रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना तथा सांसद श्री प्रभुभाई नगरभाई वसावा और श्रीमती डी. के. अरुणा भी उपस्थित रहे।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने किसानों को दी बड़ी सौगात, 1.33 लाख किसानों के खातों में ट्रांसफर किए 233 करोड़ रुपये

मध्यप्रदेश के किसानों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भावांतर भुगतान योजना के तहत 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक

किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इस अवसर पर 183.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर जवान और खेत में किसान दोनों देश के रक्षक हैं। किसान अपनी मेहनत से प्रदेश को अन्नदाता बनाते हैं और उनकी वजह से मध्यप्रदेश की विशेष पहचान बनी है।

राजमार्गों तथा नगरों-महानगरों के सड़क मार्गों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किए जाएगा : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री तथा मुख्य सचिव की उपस्थिति में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में दिए दिशानिर्देश

गांधीनगर, 13 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट दिशानिर्देश दिए हैं कि राज्य में राजमार्गों तथा नगरों-महानगरों में सड़क मार्ग कार्यों की गुणवत्ता से कम्प्रोमाइज या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई तथा मुख्य सचिव श्री एम. के. दास की उपस्थिति में आयोजित बैठक में ये दिशानिर्देश दिए। बैठक में महानगरों के महापौर, महानगर पालिकाओं की स्थायी समितियों के अध्यक्ष, महानगर पालिकाओं के आयुक्त तथा क्षेत्रीय महानगर पालिका आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और उन्होंने अपने नगरों-महानगरों की सड़क मार्गों की स्थिति का विवरण दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जब से शासन दायित्व संभाला है, तब से राज्य में सड़क मार्गों-पुलों के निर्माण में गुणवत्ता पर निरंतर बल दिया है।

ऐसे जन हित के कार्यों में क्वॉलिटी में कम्प्रोमाइज या समझौता करने की बात बर्दाश्त नहीं की जाती है। मुख्यमंत्री ने अनेक बार इसकी प्रतीति भी कराई है। हाल ही में 3 ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट भी किया गया है।

इतना ही नहीं; हल्की गुणवत्ता के कार्य करने वाले 13 से अधिक ठेकेदारों को इस वर्ष ब्लैक लिस्ट करने तक के कड़े दंडात्मक कदम भी मुख्यमंत्री के सीधे निर्देश पर उठाए गए हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार दोपहर को आयोजित इस बैठक मे स्पष्ट रूप से कहा कि सड़कों पर के पोटहोल्स भरने के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

इतना ही नहीं; सम्बद्ध अधिकारी, मनपा आयुक्त व उपायुक्त नियमित रूप से फील्ड विजिट कर कार्यों की गुणवत्ता की जाँच करते रहें और 30 नवंबर तक सड़क मार्गों की समग्र स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पुलों के कार्य हो रहे हों, वहाँ डाइवर्जन के लिए आरसीसी रोड बने, जिससे सम्बद्ध कार्य पूरा होने तक नागरिकों को परिवहन में कोई असुविधा न हो। इसके लिए भी उन्होंने बैठक में सम्बद्ध अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भी प्रभारी मंत्रियों को उनके जिलों में सड़कों की स्थिति की सम्बद्ध अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर 30 नवंबर तक स्थिति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे।

श्री पटेल ने इस उच्च स्तरीय बैठक में यह भी कहा कि जो सड़क मार्ग मैंटेनेंस गारंटी पीरियड में टूट जाएँ, उनके ठेकेदारों को तत्काल ब्लैक लिस्ट करने सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 कि.मी.) को मंजूरी दी रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री

रेलवे ने पंजाब के मुख्य सचिव को भूमि के शीघ्र अधिग्रहण हेतु पत्र लिखा परियोजना से लगभग 10 लाख लोगों को लाभ होगा और लगभग 2.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे

चंडीगढ़ :

रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुल 25.72 किलोमीटर लंबी होगी और इसकी अनुमानित लागत ₹764.19 करोड़ है, जिसमें से ₹166 करोड़ भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित हैं, जो रेलवे द्वारा वहन किए जाएंगे।

आज मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी देते हुए रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने कहा कि यह परियोजना रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे फिरोजपुर और अमृतसर के बीच की दूरी 196 किलोमीटर से घटकर लगभग 100 किलोमीटर रह जाएगी, जबकि जम्मू-फिरोजपुर-फाजिल्का-मुंबई कॉरिडोर की दूरी 236 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह परियोजना मालवा और माझा क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, और रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त करते हुए बिट्टू ने कहा कि यह पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। नई रेल लाइन जालंधर-फिरोजपुर और पट्टी-खेमकरण मार्गों को जोड़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक सीधा और वैकल्पिक संपर्क स्थापित होगा। यह मार्ग रणनीतिक रक्षा महत्व वाले क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे सैनिकों, उपकरणों और आपूर्ति की तेज आवाजाही सुनिश्चित होगी।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि इस परियोजना से बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक फायदे होंगे। इससे लगभग 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा और लगभग2.5 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। यह रेल लाइन प्रतिदिन 2,500 से 3,500 यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करेगी, जिससे विशेष रूप से छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीण मरीजों को लाभ पहुंचेगा। यह रेल लिंक व्यापार और औ द्योगिक विकास को गति देगा, माल परिवहन लागत को कम करेगा तथा कृषि बाजारों तक पहुंच आसान बनाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचे में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। नई रेल लाइन अमृतसर, जो एक प्रमुख व्यावसायिक, शैक्षणिक और धार्मिक केंद्र है और जहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक पर्यटक आते हैं, को फिरोजपुर से तेज और मजबूत संपर्क प्रदान करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नया मार्ग विभाजन के समय खोए हुए ऐतिहासिक रूट को पुनर्जीवित करेगा, जिससे फिरोजपुर-खेमकरण की दूरी 294 किलोमीटर से घटकर 110 किलोमीटर रह जाएगी।

डीआरएम अंबाला श्री विनोद भाटिया, सीपीएम/निर्माण श्री अजय वार्ष्णेय, सीपीएम/आरएलडीए श्री बलबीर सिंह, एडीआरएम फिरोजपुर श्री नितिन गर्ग एवं श्री धनंजय सिंह, ईडीपीजी/रेल राज्यमंत्री भी वहां मौजूद थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं पश्चिम रेलवे के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत तीन रेल कर्मचारियों के परिवार को को वित्तीय सहायता राशि का वितरण

(जीएनएस)।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और पश्चिम रेलवे के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (टडव) के अंतर्गत भावनगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यूनियन बैंक की ओर से मृतक रेल कर्मचारियों के परिजनों को वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई।

इस अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने उक्त समझौते की प्रमुख शर्तों, लाभों एवं बीमा सुरक्षा से संबंधित जानकारियाँ विस्तार से साझा कीं। यह पहल रेलवे कर्मचारियों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मृतक कर्मचारी श्री नरेंद्रसिंह जे गोहिल, कार्यालय अधीक्षक, भावनगर टर्मिनस के आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के द्वारा दिया गया । साथ ही, मंडल रेल प्रबंधक तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों द्वारा श्री नरेंद्र सिंह गोहिल के परिजनों को ₹ 1 करोड़ 15 लाख की राशि का चेक संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त श्री विपिनभाई मकवाना, कार्यालय अधीक्षक, भावनगर मंडल कार्यालय के परिजन को ₹10 लाख की राशि एवं श्री किशोरसिंह, कनिष्ठ अभियंता, भावनगर टर्मिनस के परिजन को ₹10 लाख की राशि वल्लङ्कल्ल इंल्ल' ङ्मा कल्र्ल्ल की ओर से प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा सहित सभी शाखा अधिकारी एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा जी ने अपने संबोधन में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों के हित में की गई यह पहल न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि बैंक और रेलवे के बीच आपसी सहयोग एवं विश्वास को भी और मजबूत करती है।'

कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिकअधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन में किया गया एवं संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वाई राधेश्याम द्वारा किया गया । अंत में बैंक एवं रेलवे के अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

मतगणना से पहले चिराग पासवान ने किसे कहा- आई लव यू ?

(जीएनएस)। साल 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवबंर को आने वाले हैं। आने वाले 24 घंटों में तय हो जाएगा कि अगले 5 साल में बिहार में कौन राज करने वाला है। 11 -12 नवंबर की शाम को न्यूज चैनलों और एजेंसी की ओर से एग्जिट पोल जारी किए गए हैं, जिसमें से अधिकांश में कहा जा रहा है कि 'बिहार में एनडीए की वापसी हो रही है।'

हालांकि राजद और कांग्रेस दोनों ने इसे ठुकराते हुए कहा कि 'शुक्रवार की सुबह सारे एग्जिट पोल को गलत साबित करेगी और राज्य में महागठबंधन की सरकार बनेगी।' इन्हीं दावों के बीच लोगों कि निगाहें खुद को 'पीएम मोदी का हनुमान' कहने वाले चिराग पासवन पर भी लगी हैं।

चिराग पासवान की पार्टी को एनडीए में 29 सीटें मिली थीं लेकिन एक सीट पर उनके प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था, ऐसे में अब 28 सीटों पर ही चुनावी नतीजे आने हैं।

कई एग्जिट पोल में चिराग के लिए खुशखबरी है, उनकी स्थिति

मजबूत बताई जा रही है। सबसे ज्यादा उन्हें सीटें चाणक्य एग्जिट पोल में मिली है, उसने कहा है कि 'एलजेपी रामविलास इस बार 14 से 19 सीटें जीत सकती है' तो वहीं 'Matrize-IANS ने कहा कि चिराग के खाते में 7-9 सीटें आ सकती हैं।'

हालांकि एग्जिट पोल के पहले चिराग पासवान ने अठक की स्मिता प्रकाश के पोडकॉस्ट में कई अहमं बातें बताई हैं। उनसे पूछा गया था कि 'अगर ऐसे हालात आए कि एनडीए सरकार नहीं बना पाती है तो क्या वो महागठबंधन से हाथ मिलाएंगे?' तो इस पर चिराग ने कहा कि 'सवाल ही पैदा नहीं होता है, जब तक मेरे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं , मैं कही नहीं जाने वाला हूं।'

तो क्या आप NDA में पीएम मोदी के कारण हैं? तो इस पर चिराग ने कहा कि 'बिल्कुल मैं उन्हीं की वजह से हूं, मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं, मेरा समर्पण मेरा प्यार सब पीएम मोदी के लिए, आई लवहिमबिट टू मच, मुझे केंद्र की ओर से कुछ जिम्मेदारियां दी गई हैं वो मैं पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा, दिल से कह रहा पीएम मोदी ने मेरा हाथ तब थामा जब सब बिखर गया था तो मैं तो कहीं नहीं जा रहा हूं, जो लोग अफवाएं फैला रहे हैं वो प्लीज बंद कर दें ऐसी बातें।'

एक नजर में देखें कौन सी एजेंसी ने Chirag Paswan की पार्टी को दीं कितनी सीटें

मैट्रिज-आईएएनएस- 7-9
चाणक्य- 14-19
पोल डायरी- 12-16
टीआईएफ रिसर्च- 12-14
पोलस्ट्रैट- 9-12

फिर से सस्ता हुआ सोना, चांदी में तेजी, दिल्ली से मुंबई तक क्या है 22 कैरेट गोल्ड का भाव

(जीएनएस)।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे सोने के दामों में आज राहत देखने को मिली है। 13 नवंबर को देशभर में सोना सस्ता हुआ है, जबकि चांदी के भाव में तेजी बनी हुई है। राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई, चेन्नई और कोलकाता तक 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं चांदी की कीमत 1,62,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव ₹1,25,650/10 ग्राम है और 22 कैरेट गोल्ड का भाव ₹1,15,190/10 ग्राम है। देश के आर्थिक और व्यापारिक केंद्र मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 22 कैरेट सोने का भाव ₹1,15,850 प्रति 10 ग्राम है। वहीं 24 कैरेट गोल्ड ₹1,25,020 प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है।

◆ दिल्लीः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम

◆ मुंबईः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम

◆ अहमदाबादः 24 कैरेट - ₹1,25,550/10 ग्राम ` 22 कैरेट - ₹1,15,090/10 ग्राम

◆ चेन्नईः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम

◆ कोलकाताः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम

◆ हैदराबादः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम

◆ जयपुरः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम

◆ भोपालः 24 कैरेट - ₹1,25,550/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,090/10 ग्राम

◆ लखनऊः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम

◆ चंडीगढ़ः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम

13 नवंबर को चांदी के भाव में तेजी देखी गई है। देश में इसका रेट 162100 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का हाजिर भाव 0.86% की तेजी के साथ 51.66 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज किया गया।

◆ कैसे तय होती है देश में सोने की कीमत

भारत में सोने की कीमतों का निर्धारण सिर्फ घरेलू मांग और सप्लाई से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझानों से भी प्रभावित होता है। सोने के रेट भारतीय रुपये और अमेरिकी डॉलर के एक्सचेंज रेट, ग्लोबल गोल्ड प्राइस, इम्पोर्ट ड्यूटी, और मनी लॉन्डरिंग प्रिवेंशन टैक्स जैसे कारकों पर निर्भर करते हैं। इसके अलावा, स्थानीय ज्वैलर्स एसोसिएशन भी अपने-अपने शहर में शुद्धता (कैरेट) के अनुसार दैनिक दरें तय करते हैं। यही वजह है कि एक ही दिन में अलग-अलग शहरों में सोने की कीमतों में मामूली फर्क देखने को मिलता है।

जनदर्शन से संवेदनशील शासन को मिली नई उड़ान, सपनों को मिला संबल

मुख्यमंत्री का सार्वजनिक जुड़ाव कार्यक्रम प्रभावी रूप से नागरिकों की चिंताओं को दूर करता है, सरकार की प्रतिक्रिया को दशार्ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई, जिससे सरकार और समुदाय के बीच विश्वास बढ़ा।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम ने फिर एक बार यह सिद्ध कर दिया कि शासन जब संवेदनशील होता है, तो जनता के सपने और विश्वास दोनों को नई उड़ान मिलती है। जनदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुँचे नागरिकों ने अपनी समस्याएँ, सुझाव और आकांक्षाएँ मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुन अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सरकार की जवाबदेही, संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

जनता के विश्वास की मजबूत डोर है मुख्यमंत्री जनदर्शन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनदर्शन प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया, "हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का उसी समय समाधान किया जाए। कार्यक्रम में महिलाएँ, छात्र, किसान, बुजुर्ग और दिव्यांगजन बड़ी संख्या में पहुँचे। आवास, छात्रवृत्ति, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से अधिकांश का समाधान उसी दिन कर दिया गया। लोगों के चेहरों पर राहत और संतोष की मुस्कान इस पहल की सफलता को बयां कर रही थी।

रायपुर की 11 वर्षीय पूनम, जो सेरेब्रल पाल्सी से जूझ रही है, जनदर्शन की सबसे भावुक झलक बनी। मुख्यमंत्री ने उसकी शिक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए विशेष विद्यालय में दाखिला और छात्रवृत्ति की घोषणा की। यह क्षण वहाँ मौजूद सभी के लिए भावनाओं से भरा रहा, जब एक बच्ची के भविष्य का जिम्मा मुख्यमंत्री ने अपने हाथ में ले लिया।

भिलाई निवासी कलाकार अंकुश देवांगन ने जनदर्शन में अपनी अद्भुत रचना प्रस्तुत की। अंकुश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सूक्ष्म संगमरमर की प्रतिमा मुख्यमंत्री के माध्यम से उन्हें भेंट की। महज आधे सेंटीमीटर की यह प्रतिमा माइक्रोस्कोपिक लेंस से देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री साय

आतंकी हमले की साजिश में इस्तेमाल तीसरी कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हुई बरामद

(जीएनएस)।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए बम धमाके की जांच में जुटी एजेंसियों ने अब आतंकियों की तीसरी संदिग्ध कार का पता लगा लिया है। सिल्वर रंग की एक मारुति ब्रेजा फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से बरामद की गई है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस और एनआईए की टीमें भी तत्काल मौके पर पहुंच गईं।

जांच अधिकारियों ने बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक टीम को बुलाया है, जो गाड़ी की गहन जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, यह ब्रेजा कार भी मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी है, जो सोमवार को हुए रेड फोर्ट ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

यह ब्रेजा कार डॉ. शाहीन के नाम पर पंजीकृत है, जिसकी एक और गाड़ी पहले ही छापेमारी में पकड़ी जा चुकी है। उस गाड़ी से पुलिस को असॉल्ट राइफल मिली थी। अब तक की जांच में कुल चार गाड़ियां सामने आई हैं, जिनमें यह ब्रेजा भी शामिल है।

32 वाहनों को विस्फोट से लैस कर कई शहरों में हमले की तैयारी थी

खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट से जुड़े एक बड़े आतंकी साजिश का खुलासा किया है, जिसमें 13 लोग मारे गए थे। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि इसमें 32 वाहनों को विस्फोटक से लैस कर कई शहरों में समन्वित हमलों की योजना शामिल थी। खुफिया सूत्रों के अनुसार, यह जांच तब और बढ़ गई जब पता चला कि आरोपियों ने हमलों में संभावित उपयोग के लिए पहले ही दो वाहनों - एक हुंडई i20 और एक फोर्ड इकोस्पोर्ट - को संशोधित करना शुरू कर दिया था।

पहली गाड़ी भी फरीदाबाद में हुई थी बरामद

पहली गाड़ी मारुति स्विफ्ट थी, जो डॉ. शाहीन के नाम पर फरीदाबाद से बरामद हुई थी और उसमें असॉल्ट राइफल मिली थी। दूसरी सफेद रंग की हुंडई i20 थी, जिसे उमर नबी चला रहा था और जिसके जरिए विस्फोट को अंजाम दिया गया।

तीसरी कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से मिली

तीसरी मारुति ब्रेजा कार, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से मिली है। फरीदाबाद पुलिस ने यूनिवर्सिटी कैंपस को अस्थाई रूप से सील कर दिया है और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। यूनिवर्सिटी प्रशासन से पूछताछ की जा रही है कि यह वाहन किसने और कब पार्क किया था। वहीं चौथी लाल रंग की इको स्पोर्ट थी, जिसकी जांच अभी जारी है।

जांच एजेंसियों को संदेह है कि इस ब्रेजा का इस्तेमाल या तो रसद सहायता के लिए किया गया होगा या फिर धमाके से पहले विस्फोटक सामग्री के हस्तांतरण में। इस बीच, लाल किले के पास विस्फोट वाले दिन का एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

सरपंचों के लिए बड़ी खुशखबरी- अब इतने लाख तक के काम बिना अनुमति के, जानिए पंचायत को कैसे मिलेगा फायदा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की रफ्तार अब और तेज होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार (11 नवंबर 2025) को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित त्रिस्तरीय सरपंच संयुक्त मोर्चा महासम्मेलन में सरपंचों को बड़ी सौगात दी।

सीएम ने घोषणा की कि अब सरपंच 25 लाख रुपये तक के विकास कार्य अपने अधिकार से करा सकेंगे, बिना किसी ऊपरी अनुमति के। साथ ही, प्रत्येक पंचायत को 50-50 हजार रुपये की राशि विकास कार्यों के लिए दी जाएगी।

हर पंचायत को 50 हजार रुपये की सौगात- उट मोहन यादव

यह राशि पंचायतों के खाते में सीधे ट्रांसफर होगी। सीएम ने कहा, "त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में सरपंच के पास जो शक्तियां हैं, वो सांसद और विधायकों को भी नहीं हैं। सरपंच अपनी पंचायत को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।" इस मौके पर सीएम ने 2472 अटल पंचायत भवन, 1037 सामुदायिक भवन, 106 जनपद पंचायत भवन और 5 जिला पंचायत भवन स्वीकृत करने की भी घोषणा की।

शांतिधाम निर्माण में जिला प्रशासन सहायता करेगा। 2026 को 'कृषि वर्ष' घोषित करते हुए कृषि आधारित उद्योगों पर जोर दिया। यह फैसला राज्य की 23,000 से अधिक पंचायतों के सरपंचों के लिए गेम चेंजर साबित होगा, जो लंबे समय से फंड और अधिकारों की मांग कर रहे थे। 24-26 नवंबर को भोपाल में पंचायत प्रतिनिधियों की कॉन्फ्रेंस भी होगी। आइए, जानते हैं इस महासम्मेलन की पूरी डिटेल - सीएम के ऐलान से लेकर सरपंचों की प्रतिक्रिया, योजना का प्लान और ग्रामीण विकास पर प्रभाव तक।

सीएम मोहन यादव का संबोधन, सरपंचों का जोरदार स्वागत

भोपाल के जंबूरी मैदान को सरपंचों के रंग में रंग दिया गया। मंगलवार सुबह से ही राज्यभर से आए हजारों सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि और जनप्रतिनिधि जुटे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। सीएम ने मंच से कहा, "पंचायतें लोकतंत्र की जड़ हैं। सरपंचों के भरोसे विकास का कारवां चल रहा है। हमने फैसला लिया - अब सरपंच 25 लाख तक के कार्य अपने अधिकार से करा सकेंगे।"

सीएम ने आगे कहा, "त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में सरपंच के पास सांसद-विधायकों से ज्यादा शक्तियां हैं। अगर काम करने की भावना पवित्र है, तो ईश्वर भी मदद करते हैं।" सम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा सहित कई नेता मौजूद रहे। सरपंचों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

36 साल की 4 बच्चों की मां ने 20 साल के ड्राइवर को कैसे बनाया बॉयफ्रेंड, जानिए पूरी दर्दनाक कहानी

(जीएनएस)।

एक बार फिर प्यार का जाल किसी की जान ले गया। ग्वालियर में 36 साल की शादीशुदा महिला और चार बच्चों की मां नगीना खान ने 20 साल के टैक्सी ड्राइवर जावेद खान को खुद को 22 साल की कुंवारी बताकर दो साल तक फंसाए रखा।

झूठी कसमें, शारीरिक संबंध, साथ जीने-मरने की बातें... लेकिन जब जावेद को सच पता चला कि उसकी गर्लफ्रेंड उससे 16 साल बड़ी है, चार बच्चों की मां है, तो उसने विरोध किया। नगीना ने ब्लैकमेल शुरू कर दिया - झूठे केस में फंसाने की धमकी, मारपीट, गालियां।

36 साल की महिला ने 20 साल के ड्राइवर को कैसे बनाया बॉयफ्रेंड

आखिरकार 7 अक्टूबर 2025 की रात परेशान जावेद ने नगीना के घर की सीढ़ियों पर लोहे की ग्रिल में साफी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। शातिर नगीना ने फंदा काटा, साफी छुपाई, चाकू आंगन में फेंका और सुबह 5 बजे जावेद को जेएएच ट्रॉमा सेंटर पहुंचाकर डॉक्टरों से कहा, "यह मेरा दोस्त है, बेहोश हो गया।" लेकिन तब तक जावेद की मौत हो चुकी थी।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में फांसी की पुष्टि हुई। परिजनों के बयान के बाद मंगलवार रात गिरवाई थाने में नगीना के खिलाफ क्ढउ की धारा 306 (खुदकुशी के लिए उकसाना) और 34 के तहत ऋक्रू दर्ज कर ली गई। पुलिस नगीना को हिरासत में ले चुकी है। आइए, जानते हैं इस दर्दनाक प्रेम कहानी की पूरी सच्चाई - मुलाकात से मौत तक, नगीना के झूठ, जावेद के सुसाइड नोट और पुलिस जांच तक।

सब कुछ एक साल पहले शुरू हुआ। गिरवाई थाना क्षेत्र के सिद्ध बाबा पहाड़ी की घटिया में जावेद खान (20 वर्ष, पुत्र रफीक खान) अपने परिवार के साथ रहता था और प्राइवेट टैक्सी चलाता था। 2024 में नगीना खान (36 वर्ष) अपनी 7 साल की बेटी के साथ जावेद के मकान में किराए पर रहने आई। नगीना ने जावेद से दोस्ती की और बतायाः

"मैं 22 साल की हूं, कुंवारी हूं।" "मेरे साथ जो बच्ची है, वह मेरी बहन की बेटी है।"

जावेद उसकी बातों में आ गया। पहले फोन पर घंटों बातें, फिर मिलने-जुलने लगे। नगीना ने जावेद को प्यार का जाल बुन लिया। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। करीब एक साल तक नगीना जावेद के घर में ही रही। इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। लेकिन नगीना के चाल-चलन पर शक हुआ और जावेद के परिवार ने उसे घर से निकाल दिया।

नगीना अब जनकगंज के काला सैय्यद गोल पहाड़िया में रामश्री नाम की महिला के मकान में किराए पर रहने लगी। जावेद अब भी उसके पास जाता रहा। लेकिन धीरे-धीरे सच सामने आने लगा। जावेद को पता चलाः

नगीना की असल उम्र 36 साल है। वह शादीशुदा है, पति जिंदा है। उसके 4 बच्चे हैं (7 साल की बेटी सहित)। उसने सब कुछ झूठ बोला था।

जावेद ने विरोध किया, रिश्ता तोड़ना चाहा। लेकिन नगीना ने ब्लैकमेल शुरू कर दियाः

"अगर छोड़ा तो झूठा रेप केस लगा दूंगी।" "परिवार को बर्बाद कर दूंगी।" मारपीट, गालियां, धमकियां। जावेद मानसिक रूप से टूट गया। वह नगीना के पास जाता रहा, लेकिन अंदर से टूट चुका था।

7 अक्टूबर 2025 की रात जावेद नगीना के घर पर था। रात करीब 11 बजे उसने सीढ़ियों के दरवाजे की लोहे की ग्रिल पर अपनी साफी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब नगीना नीचे आई तो उसने तुरंत फंदा काटा, साफी छुपाई, चाकू आंगन में फेंक दिया और जावेद को उठाकर सुबह 5 बजे जेएएच ट्रॉमा सेंटर ले गई। डॉक्टरों से कहाः

"यह मेरा दोस्त है। सुबह 4 बजे डोर बेल बजाई। दरवाजा खोला तो गेट से टिका खड़ा था। हाथ लगाया तो गिर पड़ा। बेहोश था।" लेकिन डॉक्टर अमित कुशवाह ने गले पर कसने के निशान देखकर पुलिस को सूचना दी। जावेद पहले ही मृत था।

पोस्टमॉर्टम और खुलासाः फांसी से मौत, परिजनों ने बताया सच

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में साफ हुआ - मौत फांसी से। पुलिस ने परिजनों के बयान लिए तो पूरा सच सामने आया। जावेद के पिता रफीक खान ने कहा, "नगीना ने मेरे बेटे को फंसाया, झूठ बोला, ब्लैकमेल किया। उसकी वजह से बेटा मर गया।" मंगलवार रात नगीना के खिलाफ धारा 306 और 34 में ऋक्रू दर्ज। पुलिस ने नगीना को हिरासत में लिया।

गिरवाई TI ने कहा, "नगीना ने सबूत मिटाने की कोशिश की, लेकिन CCTV और गवाहों से पकड़ी गई। जावेद का फोन जब्त, चैट में ब्लैकमेल के सबूत।"

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

दिल्ली में वायु प्रदूषण से बचने के उपाय नहीं लागू करते अधिकारी

दिल्ली में वायु प्रदूषण दिल्ली में बृहस्पतिवार को भी घना कोहरा छाया रहा और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) वजीरपुर में सबसे ज्यादा 460 तक दर्ज किया गया। सबसे कम भी पूसा में 302 है। इस तरह 37 निगरानी वेंद्रों में से 27 निगरानी वेंद्र में एक्यूआई स्तर अत्यन्त गंभीर था। वायु प्रदूषण की इस स्थिति से परेशान सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चन्द्रूकर ने बृहस्पतिवार को वकीलों से आग्राह किया कि स्थिति ह्यबहुत गंभीरह्ल है, मत आइए कोर्ट, घर से ही वीडियो कांप्रोंसिग से मुकदमों की पैरबी कीजिए। दिल्ली को प्रदूषण का शहर बताकर वकीलों से बाहर न निकलने का आग्राह करना वेंद्र और दिल्ली दोनों ही सरकारों के लिए बहुत बड़ा व्यंग है। वेंद्र सरकार बड़े गर्व से दावा करती है कि दिल्ली की असली अथारिटी यानि सत्ता उपराज्यपाल, वेंद्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से चलाते हैं, किन्तु अब जब दिल्ली में पर्यावरण संकट भयंकर रूप से बच्चों, वृद्धजनों, सांस के मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है और वेंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) लगातार बढ़ती एक्यूआई की स्थिति से सरकारों को आगाह कर रहा है किन्तु दुर्भाग्य से जितना प्रयास होना चाहिए वह नहीं हो रहा है और यही कारण है कि दिल्ली बिल्वुल गैस चैम्बर बन चुकी है। दरअसल वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए हमारी यानि सरकार और समाज दोनों में से किसी की स्वाभाविक प्रवृत्ति ही नहीं है। आज दिल्ली में प्रदूषण के लिए जिम्मेदार भले ही वेंद्र और राज्य सरकार को ठहराया जा रहा है किन्तु स्थानीय निकायों की घोर लापवाही भी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यदि स्थानीय निकाय ने शुरू से जिम्मेदारीपूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया होता तो कदाचित दिल्ली में वायु प्रदूषण के विकराल स्थिति के सामने केन्द्र और दिल्ली सरकार प्रदूषण के बढ़ते संकट के सामने इतनी निःसहाय न दिखती। दिल्ली में तमाम पर्यावरण संबंधी एनजीओ और विशेषज्ञ सरकारों को सावधान करते रहते हैं किन्तु प्रशासनिक अधिकारी कोई न कोई बहाना बनाकर उन उपायों को लागू करने से बचते रहते हैं जिनकी वजह से आज एक्यूआई सरपट दौड़ लगा रहा है। वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981 में औद्योगिक संयंत्रों से होने वाले वायु प्रदूषणों को विनियंत्रित करने का अधिकार, वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित करने तथा उत्सर्जन के लिए परमिट पूरी तरह प्रवधानों का पालन करते हुए देने की प्रव्रिया का उल्लेख है किन्तु वेंद्र और राज्य सरकारें इस अधिनियम को लागू कर पाने में असमर्थ साबित हो चुकी हैं। कारण वुछ भी हो सच तो यही है कि वायु प्रदूषण के सामने सारे उपाय बेकार साबित हुए। बहरहाल वेंद्र सरकार को चाहिए कि तत्काल दिल्ली सरकार और स्थानीय निकाय को साथ लेकर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कारणों से निपटे और वायु को स्वच्छ बनाने के लिए वृक्षारोपण को प्रोत्साहन एवं कटाई पर रोक लगाएं तथा प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जल छिड़काव, वृत्रिम वर्षात इत्यादि को युद्ध स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। यह तभी संभव है जब वेंद्र व राज्य सरकारें आपातकालीन मुहिम चलाएं और समाज के सभी वर्गो को शामिल किया करें। इसके लिए मीडिया में विज्ञापन और लोगों को जागृत किए जाने की जरूरत हैं। एक बार यदि जनता ने ठान लिया कि वह अपने आसपास के लोगों को वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए जागरूक करेगी तो निाित रूप से स्थिति में सुधार की असीम संभावनाएं हैं।

सतपुड़ा पर्वतमाला में स्थित याहामोगी माता देवमोगरा धाम के दर्शन करेंगे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, जानिए मंदिर का पौराणिक इतिहास

देवमोगरा धाम में विराजमान हैं आदिजाति समाज की कुलदेवी पांडोरी माता, यहाँ आयोजित होता है नर्मदा जिले का सबसे बड़ा मेला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 15 नवंबर को नर्मदा जिले में जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय स्तर के समारोह में शामिल होंगे

गांधीनगर, (जीएनएस)। :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष गुजरात सहित देशभर में आदिजाति समाज के जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भव्य रूप से मनाई जा रही है। आदिजाति समुदाय के पराक्रम, बलिदान एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्ल के रूप में मनाने का निर्णय किया था। इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस का राष्ट्रीय स्तर का उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुजरात में नर्मदा जिले के डेडियापाडा में आयोजित होगा। नर्मदा जिले की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री प्रसिद्ध याहामोगी देवमोगरा धाम में माताजी के दर्शन करेंगे। सतपुड़ा पर्वतमाला में प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह मनमोहक धाम आदिजाति समाज के लोगों की आस्था का केन्द्र है, जिसकी महिमा अनूठी है।

सतपुड़ा की पर्वतमाला के बीच स्थित पौराणिक मंदिर देवमोगरा धाम बाहर से नेपाल के पशुपतिनाथ जैसा दिखाई देता है

नर्मदा जिले की सागबारा तहसील के देवमोगरा में आदिजातियों की कुलदेवी पांडोरी माता (याहमोगी) का मंदिर स्थित है। सतपुड़ा की पर्वतमालाओं में प्रकृति की गोद में बसे इस धाम में स्वयंभू याहा पांडोरी देवमोगरा माता आदि-अनादि काल से स्वयं कणी-कंसरी के रूप में विराजमान हैं। यहाँ गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान के आदिजाति समुदाय के लोग याहामोगी पांडोरी की कुलदेवी के रूप में अपार श्रद्धा-आस्था तथा भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। इस पवित्र हेला दाब की आदि-अनादि काल से बहुत अनूठी महिमा रही है।

हजारों वर्ष पूर्व जब इस प्रदेश में भीषण अकाल पड़ा था, तब माताजी ने देवमोगरा धाम पर स्वयं वास किया था। भीषण अकाल के कारण अन्न-जल की किल्लत पैदा हुई और पशु-पक्षी तथा मानव; सभी दुःखी हो गए। ऐसे संकट की घड़ी में इस क्षेत्र के प्रजापालक गोर्या कोठार ने आवश्यक अन्न का वितरण करना शुरू किया, परंतु आगे चलकर गोर्या कोठार के अन्न भंडार भी खाली होने लगे। तब उनकी पालक पुत्री याहा पांडोरी ने कणी-कंसरी का रूप धारण कर अन्न वितरण का कार्य संभाला। तब से आज तक अनाज के भंडार कभी खाली नहीं हुए हैं। अर्थात आदि-अनादि काल से लेकर आज तक माताजी के अन्न भंडार समग्र मानव जाति के लिए सदैव भरे रहे हैं।

सागबारा तहसील के देवमोगरा गाँव में स्थित इस मंदिर में अनेक पीढ़ियों से लाखों भक्त माताजी के चरणों में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ अपनी समस्याओं तथा दुःखों का निवारण प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर के पुजारी द्वारा माताजी का आ'ान किया जाता है और आशीर्वाद देकर हर व्यक्ति के कल्याण की मंगलकामना की जाती है। माताजी के चरणों में जो भी दुःखी व्यक्ति रोता हुआ आता है, वह हँसता हुआ वापस लौटता है।

आदिवासी लोक संस्कृति का अनूठा दर्शन कराता है महाशिवरात्रि का मेला

देवमोगरा में जहाँ राजा पांठा-विनादेव का स्थानक है, वहाँ हर वर्ष महाशिवरात्रि पर एक भव्य गढ़ यात्रा आयोजित की जाती है। इस यात्रा में परंपरागत वाद्ययंत्रों तथा नृत्य के साथ माताजी को गढ़ में जंगलों-पर्वतों के बीच स्थित प्राकृतिक झरने में स्नान कराया जाता है। इतना ही नहीं; माताजी की पूजा करके आगामी वर्ष के लिए खेतीबाड़ी और बरसाती मौसम का (होलको ठोक कर) अनुमान लगाया जाता है। हजारों श्रद्धालु इस अनुमान के अनुसार खेतीबाड़ी का पूर्व आयोजन करते हैं। मेले के दौरान माता के प्रांगण में स्थित काकड़ के पेड़ पर एक ही रात में फूल आ जाते हैं। सुबह भक्त उसके दर्शन करते हैं और मानते हैं कि जिस दिशा में सबसे ज्यादा फूल हों, उस दिशा में वर्ष के दौरान खेतीबाड़ी का काम अच्छा होगा।

प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तथा महाशिवरात्रि के एक दिन पूर्व से लगातार पाँच दिनों तक लगने वाला यह मेला आदिवासी लोक संस्कृति का अनूठा दर्शन कराता है। इस मेले में लाखों भक्त माताजी के दर्शन के लिए जुटते हैं, जो वास्तव में आ'ादक दृश्य होता है। इस मंदिर में बाईं ओर श्यामवर्णी महाकाली माता की मूर्ति के भी लोग दर्शन करते हैं। इस प्रकार; एक ही मंदिर में दो माताजी विराजमान हैं।

देवमोगरा धाम : आदिजाति समाज की आस्था, परंपरा तथा संस्कृति का जीवंत प्रतीक

आदिजाति समुदाय हजारों वर्षों से अपनी अनूठी परंपरा का पालन करता है, जिसमें वे संपूर्ण श्रद्धा के साथ नई फसल को बाँस की टोकरी में रखते हैं और सब्जी-भाजी, पूजा सामग्री की हिजारी (हिंगारी) बांधकर उसे सिर पर रखकर एवं रंगबिरंगी वस्त्र पहनकर तथा महिलाएँ सोने-चांदी के आभषणों से सज्ज होकर गाजे-बाजे के साथ होब यात्रा पर निकलते हैं। आदिवासी लोग सवा महीने का व्रत-उपवास कर याहा पांडोरी देवमोगरा के चरणों में धान-अन्न श्रद्धापूर्वक समर्पित करते हैं और इसके बाद नए धान का सेवन किया जाता है। इस प्रकार; देवमोगरा धाम केवल एक स्थानक ही नहीं है, बल्कि आदिजाति समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृतिक का जीवंत प्रतीक है और स्थानीय प्रदेश के घेरिया (महिला पोशाक में पुरुषों की टोली) होली-धुलंडी के त्योहार के दौरान सवा महीने घर से बाहर निकल कर घर-घर घूमते हैं और घेरिया बनते हैं और नौ रस के श्रृंगार के साथ मुक्त मन से नाच-गान करते हैं। धुलंडी से पूर्व के दिन होली चौक में होलिका प्रज्ज्वलित की जाती है और महिलाएँ भी परंपरागत वेशभूषा में सज्ज होकर कर वाद्ययंत्रों के साथ नाच-गान करते हुए होली के लोले (लोक गीत) गाकर

बोफा का अडानी समूह पर 'ओवरवेट' रेटिंग के साथ कवरेज शुरू, फंडिंग एक्सेस मजबूत का भरोसा, समझें गेम

(जीएनएस)। अमेरिकी निवेश बैंक 'बैंक ऑफ अमेरिका' (बोफा) ग्लोबल रिसर्च ने अडानी समूह पर क्रेडिट कवरेज शुरू करते हुए उसके कई यूएस डॉलर बॉन्ड्स पर 'ओवरवेट' रेटिंग दी है। रिपोर्ट में समूह की मजबूत वित्तीय स्थिति, बेहतर डीलीवरेजिंग (ऋण कम करने की प्रक्रिया) और घरेलू-अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एक्सेस को हाइलाइट किया गया है, जो 2023 की हेनगे शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट और 2024 के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (DOJ) के अभियोग जैसे विवादों के बीच एक सकारात्मक संकेत है।

बोफा ने अडानी को 'उच्च गुणवत्ता वाला इंफ्रास्ट्रक्चर क्रेडिट' करार दिया, जो एशियाई समकक्षों की तुलना में आकर्षक वैल्यूएशन ऑफर करता है। लेकिन रिपोर्ट ने जोखिमों - जैसे उ्डख केस का प्रतिकूल फैसला या गवर्नेंस आरोपों का फिर से उभरना - पर भी चेतावनी दी है। आइए, इस रिपोर्ट की गहराई में उतरें, जो अडानी शेयरों को बूस्ट दे रही है और बाजार में नए निवेश के द्वार खोल रही है।

अॅल्लि ॠङ्ग४स्र २ इङ्गल्लरि ठी६२

अडानी समूह की वित्तीय मजबूतीः EBITDA 10.5 अरब डॉलर, डेट-टू-EBITDA रेशियो में सुधार

बोफा की रिपोर्ट के मुताबिक, अडानी समूह का वित्त वर्ष 2025 का EBITDA (अर्निंग्स बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिशिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन) ₹89,800 करोड़ (लगभग 10.5 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जिसमें 80% से ज्यादा योगदान उसके कोर इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस - जैसे पोर्ट्स, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल एनर्जी - से आया। समूह का शुद्ध ऋण-से-EBITDA अनुपात F 19 के 3.8x से घटकर 2.6x हो गया, जो डीलीवरेजिंग की मजबूत रणनीति को दशार्ता है।

पिछले एक साल में अडानी ने रिफाइनेंसिंग और इक्विटी इनवेस्टमेंट के जरिए 6 अरब डॉलर से ज्यादा की फंडिंग जुटाई। रिपोर्ट में सक्रिय लायबिलिटी मैनेजमेंट का जिक्र है, जिसमें 400 मिलियन डॉलर से ज्यादा के बॉन्ड बायबैक शामिल हैं, जिससे स्प्रेड्स (ब्याज दरों का अंतर) कम हुए और ड्यूरेशन मैनेजमेंट में सुधार आया।

भारत के सेबी ने समूह की कंपनियों पर चल रही 24 जांचों में से 22 को क्लोज कर दिया है, जबकि फिच और S&P ने क्रेडिट प्रोफाइल पर स्थिर या पॉजिटिव आउटलुक बहाल किया। पिछले तीन सालों में कोई बड़ी क्रेडिट डाउनग्रेड नहीं हुई, जो समूह की रेजिलिएंस (लचीलापन) को दिखाता है।

प्रमुख कंपनियों पर ओवरवेट कॉलः पोर्ट्स से रिन्यूएबल्स तक मजबूत प्रोजेक्टेड ग्रोथ

बोफा ने चुनिंदा बॉन्ड्स पर ओवरवेट रेटिंग दी, जो समूह की डाइवर्सिफाइड ऑपरेशंस को रिफ्लेक्ट करती हैः

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ADSEZ): भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर ॠ25 में ₹18,400 करोड़ का एइक्ळ्ऊअ पोस्ट किया, जो पिछले साल से 14% ज्यादा है। कंपनी कैपेक्स को दोगुना कर ₹15,000 करोड़ करने की प्लानिंग कर रही है, जबकि लिवरेज को 2.4७ पर रखेगी। बोफा ने अऊ्रए 2031/32 बॉन्ड्स पर ओवरवेट कहा, डाइवर्सिफाइड पोर्ट ऑपरेशंस और स्टिकी कार्गो वॉल्यूम्स का हवाला देते हुए।

अडानी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (ADINCO): MSC के साथ JV, 54% मार्जिन पर ऑपरेट करती है। FY28 तक लिवरेज को 1.0x तक कम करने का टारगेट। बोफा ने 2031 बॉन्ड्स पर ओवरवेट रिकमेंडेशन दी।

अडानी ट्रांसमिशन (ADTIN): देश की लीडिंग प्राइवेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी, 5.0७ लिवरेज रेशियो के साथ। कवरेज 2७ से ज्यादा और रेगुलेटरी कैश फ्लोज स्टेबल। अगले तीन सालों में लिवरेज 6७ से नीचे रखने का अनुमान।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई (ADANEM): कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की 25.1% स्टेकहोल्डिंग के साथ, 15-17% रेगुलेटेड रिटर्न और 3.8७ लिवरेज। बोफा ने 2030 बॉन्ड्स पर ओवरवेट कहा।

अडानी ग्रीन एनर्जी (AGELE RGS): टोटलएनर्जीज के खश, रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स सिक्योर्ड एसेट्स और लॉन्ग-टर्म काउंटरपार्टीज से बेनिफिटेड।

बोफा ने कहा, 'समूह का सॉलिड एसेट बेस कैश फ्लो और क्रेडिट प्रोफाइल को एंकर करता है, खासकर पोर्ट्स, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल्स सेक्टर में।'

लचीला फंडिंग और मार्केट एक्सेसः एशियाई पीयर्स से बेहतर वैल्यू

रिपोर्ट में जोर दिया गया कि सिस्टेमिक रिस्क्स कंट्रोल्ड हैं, और अडानी को घरेलू व ग्लोबल फंडिंग तक मजबूत एक्सेस है। समूह के बॉन्ड्स एशियाई इन्वेस्टमेंट-ग्रेड पीयर्स (भारत, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, चीन) की तुलना में वाइडर स्प्रेड्स पर ट्रेड कर रहे हैं, जो 20-40 बेसिस पॉइंट्स की टाइटनिंग का अवसर देते हैं।

शेन वॉटसन की आईपीएल में वापसी, विनर टीम के साथ जुड़े, अब दिखेगा धमाल

(जीएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी करने जा रहे हैं, लेकिन इस बार उनकी भूमिका बल्ले और गेंद की नहीं, बल्कि कोचिंग की होगी। उन्हें तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (ङङफ) का सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

वॉटसन का यह नया अध्याय उन्हें क्ढछ में एक नई जिम्मेदारी सौंपता है, जहाँ उन्हें टीम की रणनीति मैच की बारीकियों पर काम करना होगा। ङङफ के मैनेजमेंट ने उन्हें कोचिंग स्टाफ में शामिल कर एक ऐसे अनुभवी पर भरोसा जताया है, जिसने खुद को क्ढछ के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक साबित किया है।

अनुभव का खजाना

यह पहली बार नहीं है जब वॉटसन कोचिंग की भूमिका निभा रहे हैं। IPL 2022 और 2023 सीजन में वह दिल्ली कैपिटल्स (DC) के सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। ङङफ के साथ, वह मुख्य कोच अभिषेक नायर और टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो जैसे दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगे। यह तिकड़ी मिलकर टीम को आगामी सीजन के लिए मजबूत करने और खिताब की दौड़ में वापस लाने का महत्वपूर्ण प्रयास करेगी।

खिताब की नई उम्मीद

अपनी नई भूमिका को लेकर शेन वॉटसन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया है कि वह ङङफ के कोचिंग ग्रुप और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करते हुए फ्रेंचाइजी को एक और क्ढछ खिताब दिलाने में सफल होंगे। एक खिलाड़ी के रूप में, वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स (2008) और चेन्नई सुपर किंग्स (2018) को खिताब दिलाने में अहम योगदान दिया था, और अब उनकी कोचिंग विशेषज्ञता KKR के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगी।

साल 2024 में टाइटल जीतने वाली केकेआर की तरफ से तेजी से बदलाव इसलिए किये जा रहे हैं क्योंकि पिछले आईपीएल में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा था। इसी वजह से केकेआर ने नीलामी से पहले ही कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। उनसे पहले अभिषेक नायर को कोच नियुक्त किया था।

बिहार चुनाव परिणाम आकलन

क्या धुंध के पीछे छुपा सूर्य : आज से नई सुबह की आगाज करेगा?

कुश मेहता

रात भर छाए अनुमान, दावों और दलीलों की धुंध अब धीरे-धीरे हटने लगी है। बिहार की सुबह कुछ अलग है— सड़कें शांत हैं, हवा में हल्की नमी है, और हर चेहरे पर एक अनकहा इंतजार। कोई अपने हिसाब से परिणाम लिख चुका है, कोई अभी भी गणित जोड़ रहा है, लेकिन आज का सवेरा तय करेगा कि जनमत की रोशनी किसके माथे चमकेगी और किसके चेहरे की धुंध और गहरी हो जाएगी।

सुबह के पहले उजाले के साथ ही ईवीएम की खामोशी टूटेगी, और उसी क्षण से शुरू होगा सच्चाई का उजाला—वही उजाला जो बताएगा कि सत्ता की धूप किसे मिलेगी और किनके सपने कोहरा बनकर उड़ जाएँगे। बिहार का नया सवेरा अब बस कुछ कदम दूर है, बस धुंध पूरी तरह छँटने की देर है।

आज जब परिणाम की घड़ी करीब आ रही है, तो उस सूर्य की किरणें राजनीति की धुंध को चीरने को तैयार हैं। सहमे चेहरे, गूंगी घोषणाएं, उभरी उम्मीदें — सब एक-एक करके खुले मैदान में उतरने वाले हैं। इस नए सवेरे में पता चलेगा कि किसके हाथ में सत्ता की जमीं होगी, और किसके मार्ग पर ही धुंध फिर लौटेगी।

वोटर की उमड़ी लहर, गठबंधनों की उलझन, पुराने अनुभव की खामोशी — सब मिलकर इस सुबह को विशेष बना रहे हैं। अगर वो सूरज समय-से पहले परिणाम के रुझान निकालने लगे तो शायद सत्ता की छांव जल्दी छँटेगी; और यदि धुंध ने ताल ठोक दी, तो इंतजार लम्बा खिंच सकता है।

Axis My India के अनुसार, (एनडीए) को लगभग 121-141 सीटें मिल सकती हैं।

वहीं दूसरी ओर, महागठबंधन को को लगभग 98-118 सीटें मिलने का अनुमान है।

एक अन्य पोलस्टर, Today's Chanakya, एनडीए को 160 ±12 सीटें तक का विजयी आंकलन दे रहा है, जबकि महागठबंधन को लगभग 77 ±12 सीटें।

अधिकांश समाचार समीक्षाएं एन डी ए को स्पष्ट बहुमत का संकेत दे रहे है किंतु इस बार बिहार में रिकॉर्ड तोड़

मतदान ऊंट किस करवट बैठेगा उसकी कवायद की कथा भी लिखने को आतुर है अब यह कथा यथावत जारी रखेगी या कांटे की टक्कर से किसी और का भविष्य बनाएगी यह आज दोपहर तक स्पष्ट हो जाएगा ,

परन्तु यह भी सत्य साबित होगा कि कई परिणाम

चौंकाने वाले हो सकते है जन सुराज पार्टी अपने टारगेट से दो अंकों में पहुंच कर अनेक लोगों का समीकरण बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

धुंध अभी पूरी तरह नहीं छँटी। ये अनुमान बताएँगे कि किसके फूल खिले हैं और किसके पंख उड़ान भरने से पहले कतर रहे हैं। और जैसे-जैसे परिणाम सामने आएँगे, वही तय करेगा कि बिहार की सुबह कौन जागते चेहरे लेकर आएगी — सत्ताधारी गठबंधन का आत्मविश्वास, या विरोधियों का नया जोश।

प्रमुख सर्वे-एजेंसियों द्वारा 2025 बिहार चुनाव के पूर्वार्ध और एग्जिट-पॉल के एजेंसी-वार अनुमान दिए जा रहे हैं

एजेंसी का नाम अनुमानित सीट एनडीए एवं महागठबंधन

Axis My Iindia 121-141 सीटें 98-118 सीटें अपेक्षाकृत संकुचित रेंज, मुकाबला करीब दिखा रहा है

IANSaMatrize 147-167 सीटें 70-90 सीटें

एनडीए को बहुत बड़ा अनुमान

People's Insight 133-148 सीटें 87-102 सीटें

Chankya Strategies 130-138 सीटें 100-108 सीटें मुकाबला बहुत करीब दिखा रहा है

Danik Bhaskar 145-160 सीटें 73-91 सीटें एनडीए को बहुत ऊँचा अनुमान

अन्य-एजेंसियाँ (जैसे JVC Poll, PMarq, TIF Research) ~135-162 सीटें एनडीए को स्पष्ट बहुमत का अनुमान

प्रमुख निष्कर्ष

अधिकांश सर्वे-एजेंसियों ने एनडीए को बहुमत से ऊपर सीटें मिलने का अनुमान दिया है।

लेकिन रेंज काफी भिन्न-भिन्न है — कुछ एजेंसियाँ बहुत उच्च (145-160+) सीटें दे रही हैं, तो कुछ अपेक्षाकृत 'नजदीकी मुकाबला' (121-141) का अनुमान दे रही हैं।

मतलबः वोट शेयर में मुकाबला बेहद करीब दिख रहा है, लेकिन सीटों में एनडीए को लाभ का संकेत मिलने लगा है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि नए दल/गुट जन सुराज पार्टी को अधिकांश अनुमान में बहुत कम सीटें दिख रही हैं। किंतु उम्मीद है की यह भी समीकरणों को बहुत प्रभावित करेगा ।

कुश मेहता
राजनीतिक विश्लेषक
एवं स्वतंत्र पत्रकार
साबरमती तट ,अहमदाबाद

चाचा नेहरू के जन्मदिन पर क्यों मनाया जाता है बाल दिवस, कैसे शुरू हुई ये परंपरा?

(जीएनएस)। हर साल की तरह इस वर्ष भी 14 नवंबर को पूरे भारत में बाल दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और स्नेह के कारण उन्हें स्नेहपूर्वक 'चाचा नेहरू' कहा जाता है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। वे बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि बच्चों का विकास ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

भारत में बाल दिवस का इतिहास?

शुरूआती दौर में भारत भी 20 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यूनिवर्सल चिल्ड्रन डे मनाता था। नेहरू जी के निधन के बाद वर्ष 1964 में एक राष्ट्रीय समिति ने निर्णय लिया कि उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ताकि उनके विचारों और बच्चों के प्रति समर्पण को याद किया जा सके।

नेहरू का विश्वास था कि बच्चे ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनका मानना था कि अगर बच्चों को सही दिशा, शिक्षा और स्नेह मिले, तो वे देश को एक मजबूत भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। समय के साथ, बाल दिवस सिर्फ एक उत्सव नहीं रहा बल्कि यह बच्चों के कल्याण और शिक्षा के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया।

2025 का बाल दिवस थीम क्या है?

इस साल बाल दिवस 2025 की थीम है - हर बच्चे के लिए हर अधिकार। यह विषय संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकारों के वैश्विक प्रयासों से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को समान अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान करना है, चाहे उसका सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कोई भी हो। भारत में जहां 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है, वहीं विश्व स्तर पर यूनिवर्सल चिल्ड्रन डे 20 नवंबर को मनाया जाता है। दोनों ही दिवसों का मकसद एक ही है - यह सुनिश्चित करना कि हर बच्चा प्यार, सुरक्षा और समान अवसरों के साथ बड़ा हो सके।

बाल दिवस का महत्व

चाचा नेहरू अक्सर ये कहा करते थे कि, "आज के बच्चे कल का भारत बनाएंगे। जिस तरह हम उन्हें आज शिक्षित और संस्कारित करेंगे, वही हमारे देश का भविष्य तय करेगा।" बाल दिवस का उद्देश्य भी यही है कि हर बच्चों के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। यह दिन बच्चों के लिए सुरक्षित, स्नेहमय और प्रेरणादायक वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

बाल दिवस सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है - बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें समान अवसर देने का। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा और स्वस्थ जीवन का अधिकार है।

यह अवसर बचपन की मासूमियत, ऊर्जा और जिज्ञासा का उत्सव है। पंडित नेहरू का मानना था कि बच्चों में अपार संभावनाएं हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन मिले तो वे देश का भविष्य बदल सकते हैं।

ऐसे मनाया जाता है बाल दिवस?

बाल दिवस के अवसर पर देशभर के स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, गीत-संगीत, खेल प्रतियोगिताएं और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल होती हैं। कई स्कूलों में 'टीचर-स्टूडेंट रोल रिवर्सल' की परंपरा भी निभाई जाती है, जिसमें छात्र एक दिन के लिए शिक्षक बनते हैं और शिक्षक उनके छात्रों की भूमिका निभाते हैं। यह न केवल बच्चों के लिए मनोरंजक होता है बल्कि उन्हें जिम्मेदारी और नेतृत्व के महत्व का भी अनुभव कराता है।

बाल दिवस हमें यह सिखाता है कि हर बच्चा अद्वितीय है, और उसे समान अवसर, शिक्षा, प्यार और सुरक्षा का अधिकार है। चाचा नेहरू की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं - यदि हम बच्चों के भविष्य में निवेश करेंगे, तो भारत का भविष्य स्वयं उज्जवल होगा।

बीसलपुरः स्मार्ट मीटर से दोगुना बिजली बिल, नई क्रांति पार्टी नेता जे.के. पाठक ने सीएम से की शिकायत!

बीसलपुर (पीलीभीत)। उत्तर प्रदेश सरकार को भेजी गई एक शिकायत में नई क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जे.के. पाठक ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि उनके आवास पर लगे घरेलू विद्युत कनेक्शन संख्या 8538884000 पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिल दोगुना आने लगा है।

शिकायत के अनुसार, इस समस्या को लेकर बार-बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन कोई संतोषजनक समाधान नहीं हुआ। पाठक ने कहा कि बीसलपुर स्थित उपखंड कार्यालय में बाहरी दलाल सक्रिय हैं, जो एसडीओ के संरक्षण में काम कर रहे हैं।

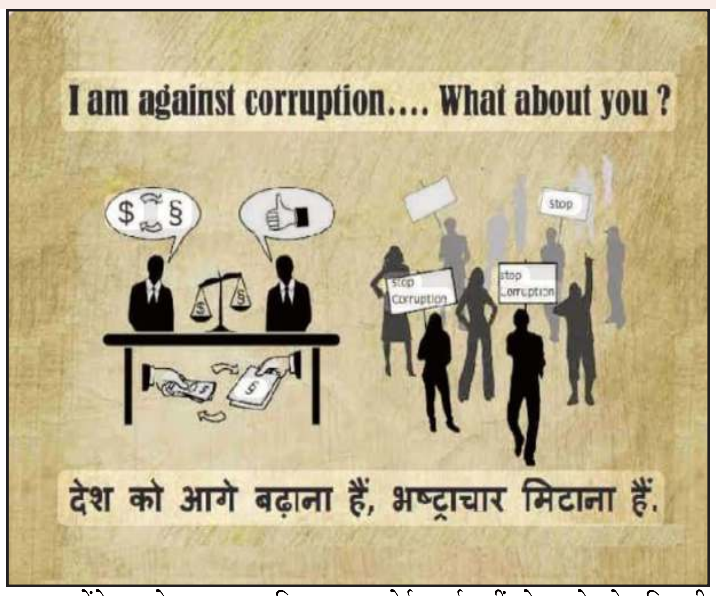

उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलालों से 'सैटिंग' के बिना विभाग में कोई कार्य नहीं होता। ये लोग बिजली विभाग के स्थायी, अस्थायी या संविदा कर्मी नहीं हैं, फिर भी विभाग की महत्वपूर्ण व गोपनीय फाइलों से जुड़े कार्य अवैध रूप से करते हैं।

पाठक ने बताया कि उन्होंने कई बार अपना बिजली बिल सही कराने के लिए आवेदन किया, परंतु भ्रष्ट कर्मचारियों ने बिना रिश्वत के कोई कार्य करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ऊर्जा विभाग से बिजली बिल की जांच कराकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

'मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री महोदय इस मामले को गंभीरता से लेकर मेरा बिजली बिल सही कराने की कृपा करेंगे।' – जे.के. पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नई क्रांति पार्टी

बीसलपुरः कुर्मी महासभा में दिव्या गंगवार की अनुपस्थिति से सियासी शोर, नेत्री ने निजी कारण बताकर दी सफाई!

बीसलपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर नगर के एक बारात घर में कुर्मी महासभा पीलीभीत के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम अब सियासी चचाओं का केंद्र बन गया है। समाज में यह बात तेजी से फैली कि समाज की लोकप्रिय नेत्री दिव्या गंगवार को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया।

हालांकि, अब खुद दिव्या गंगवार ने इन चचाओं पर विराम लगाते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रण प्राप्त हुआ था, लेकिन निजी आवश्यक कारणों से वे शामिल नहीं हो सकीं।

'कार्यक्रम में समाज की कई वरिष्ठ हस्तियां आमंत्रित थीं। लेकिन अपने निजी कार्यों के चलते मैं नहीं पहुंच पाई। यह एक सामान्य

बात है – दिनचर्या में बदलाव स्वाभाविक है, न कि आश्चर्यजनक या सियासी।' – दिव्या गंगवार

नेत्री ने बताया कि केवल वे ही नहीं, बल्कि जिले की कई प्रमुख हस्तियां भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। इनमें संजय गंगवार (गन्ना मंत्री), भगवत शरण गंगवार (पूर्व लोकसभा प्रत्याशी), नीरज गंगवार, सत्यपाल गंगवार, सुरेश गंगवार और शिवस्वरूप गंगवार (सदस्य जिला पंचायत) जैसे नाम शामिल हैं।

दिव्या गंगवार ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन एकता, संगठन और सेवा का प्रतीक था, ऐसे अवसरों पर मतभेदों के बजाय आपसी सम्मान और संवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उनके इस बयान के बाद समाज में फैली अफवाहों पर काफी हद तक विराम लग गया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में हलचल अब भी जारी है। कुर्मी महासभा के मंच से उठी यह चर्चा जिले की राजनीति में नई सियासी खींचतान का रूप लेती दिखाई दे रही है।

फिलहाल, बीसलपुर से लेकर पूरे जनपद में यह विषय चर्चा के केंद्र में बना हुआ है कि दिव्या गंगवार की गैरमौजूदगी ने कुर्मी समाज के भीतर नए समीकरणों को जन्म दिया है या नहीं।

पूर्व प्रधान हाजी वसीम अंसारी का आकस्मिक निधन पूरे क्षेत्र में गहरा शोक

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। ग्राम पंचायत शहाबपुर के पूर्व प्रधान हाजी वसीम अंसारी के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त हो गया। 72 वर्षीय हाजी वसीम अंसारी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें पंद्रह दिन पूर्व लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार की शाम लगभग 7 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

पूर्व प्रधान के निधन की खबर गांव पहुंचते ही हर किसी की आंखें नम हो गईं। शव के शहाबपुर स्थित आवास पर पहुंचते ही परिजनों सहित सैकड़ों लोग गमगीन हो उठे। अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े और पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल छा गया। बताया जाता है कि उनके पिता मो. सफी (मुन्ने अंसारी) लगभग 32 वर्षों तक ग्राम पंचायत शहाबपुर के प्रधान रहे और जनसेवा में समर्पित रहे। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हाजी वसीम अंसारी ने लगभग 15 वर्षों तक ग्राम प्रधान के रूप में कार्य करते हुए लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया।

उनके नमाजे जनाजा में क्षेत्रीय व राजनीतिक हस्तियों का भारी जमावड़ा रहा। इसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप, सदर विधायक सुरेश यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश कुमार वर्मा, पूर्व विधायक राम गोपाल रावत,पूर्व सांसद पी. एल. पुनिया, मो आरिफ,पूर्व एमएलसी राजेश यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि सुरेंद्र वर्मा, सपा नेता ज्ञान सिंह, एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव,मो मुब्बसिर पूर्व चेयरमैन हफीज भारती, वसीम राईन,प्रीतम सिंह, हाजी इरफान सेठ,मुल्लाअसरार पूर्व प्रधान, इरशाद कामिल प्रधान,मुजीब राईन,जव्वाद खान,इरशाद मलिक, विधायक प्रतिनिधि रिजवान संजय,सपा नेता अजय कुमार वर्मा,हसमत अली गुड्डू, संतोष रावत,शकील सिद्दीकी, मुईन वारिस प्रधान, ताज बाबा, मो. सबाह, जफर अंसारी, मो. वकील अंसारी, नुरुलहुदा अंसारी, बाबू राईन, मुख़्तार सभासद, बब्लू बिंद्रा (स्वीट्स) समेत तमाम राजनीतिक दलों के नेता और क्षेत्र के हजारों शुभचिंतक शामिल हुए। नम आंखों से लोगों ने हाजी वसीम अंसारी के पार्थिव शरीर को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। क्षेत्रवासियों ने कहा हाजी वसीम अंसारी हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। उनके द्वारा दिखाए गए सच्चाई और सेवा के रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राजधानी लखनऊ में अतिक्रमण को बढ़ावा देता नगर निगम जोन-1

(जीएनएस)।

लखनऊ। हजरतगंज जैसे पॉश इलाके में म्यांमार शोरूम के बराबर गली में लगाई जा रही है अवैध तरीके से लिफ्ट आश्चर्य की बात तो यह है हजरतगंज जैसे पॉश इलाके में तंग रास्ते को बाधित कर कैसे लग रही है लिफ्ट वह भी नगर निगम मुख्यालय से चंद कदमों की दूरी पर जहां एक तरफ नगर निगम यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध दिखावा मात्र कार्रवाई कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ बड़े व्यापारियों पर मेहरबान दिखाई दे रहा है यह पूरा रास्ता अतिक्रमण की भेंट है पूरी गली में लगे बड़े-बड़े काउंटर सामने लगी मेज कुर्सियां पानी के ड्रम प्लेट धोने के लिए बड़े-बड़े तस्ले जो नगर निगम की कार्रवाई पर खिल्ली उड़ाती नजर आ रही है पूरे क्षेत्र में अतिक्रमण देखा जा सकता है जोन-1 नगर निगम को क्या अपने आसपास का अतिक्रमण नहीं दिखाई देता जय भारत सिनेमा हॉल, निशात हॉस्पिटल के आसपास दिन भर रहता है जाम आम नागरिक घंटों जूझता है जाम से यहां रोड को बाधित कर की जाती है कारे डेंट व पेंट नगर निगम की गाड़ी पहुंचने से पूर्वी इन मैकेनिकों के पास पहुंच जाती है सूचना हटा दी जाती है समस्त गाड़िया अमीनाबाद क्षेत्र में भी नगर निगम के पहुंचने से पूर्वी

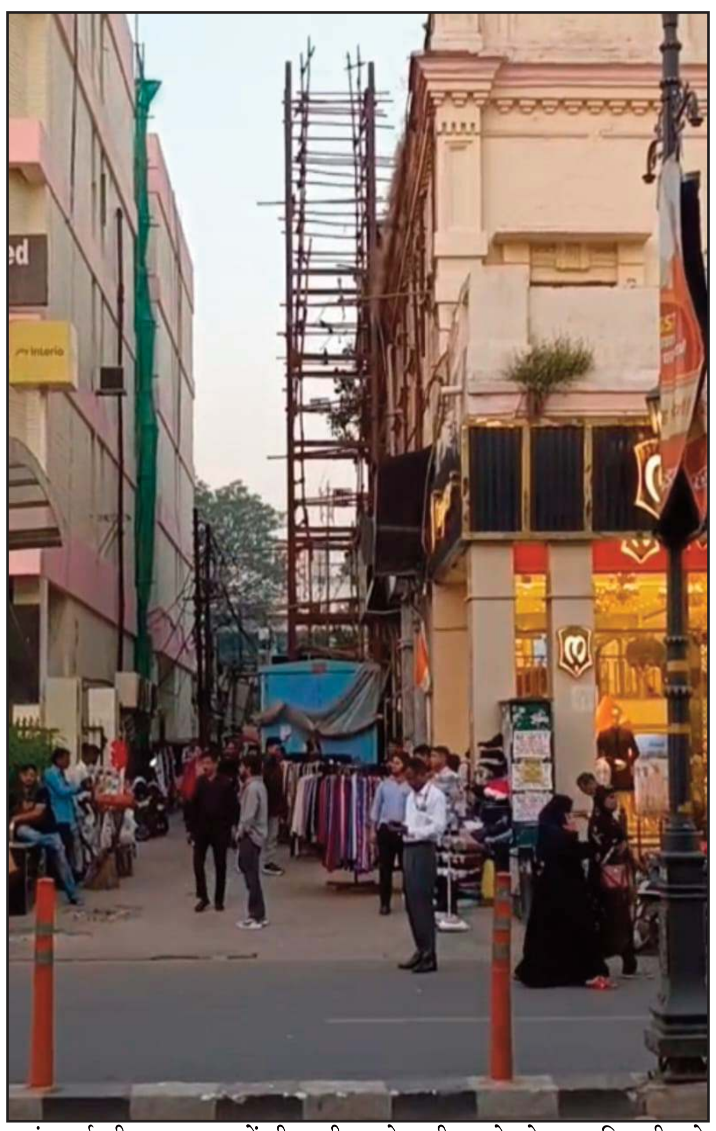

पहुंच गई थी सूचना रात में ही पटरी दुकानदारों ने हटा दिए अपने सामान आखिर कब तक नगर निगम दिखावा मात्र कार्रवाई कर वह वही लुटता रहेगा टीएस से जोनल अधिकारी बने ओमप्रकाश भी अब महापौर सुषमा खरकवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार से सच्चाई रहे हैं छुपा।

दिलावरनगर गांव से 14 वर्षीय किशोर लापता, गुमशुदगी दर्ज; पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

रहीमाबाद। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ रहीमाबाद थाना क्षेत्र के दिलावरनगर गांव निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र छोटेलाल ने अपने 14 वर्षीय पुत्र करन के लापता होने की गुमशुदगी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। सुरेंद्र कुमार ने गुरुवार, 13 नवंबर 2025 को थाना कार्यालय में एक लिखित शिकायत दी, जिसमें बताया गया कि उनका बेटा करन 11 नवंबर 2025 को शाम करीब 4 बजे बिना बताए घर से कहीं चला गया है शिकायत के आधार पर, थाना रहीमाबाद पर मुकदमा अपराध संख्या 166/2025, धारा 137(2) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है। मामले की विवेचना उप-निरीक्षक इंद्रजीत सिंह को सौंपी गई है और पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री ने कृषि भवन सभागार, लखनऊ में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 विषय पर की चर्चा

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से समृद्ध, समान व सम्मानित राज्य का निर्माण किया जाएगा। कृषि विभाग द्वारा 17 नवम्बर 2025 को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में जन संवाद एवं विचार मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग 300 कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रगतिशील कृषक और अधिकारी शामिल होंगे। नीति आयोग, भारत सरकार से परामर्श लेकर कृषि विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा। प्रदेश की कृषि योग्य भूमि में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश का योगदान 21.58 प्रतिशत है। गेहूँ, चावल, गन्ना और आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है बाजरा, मसूर, राई और सरसों में द्वितीय तथा दलहन उत्पादन में चतुर्थ स्थान पर है। आलू उत्पादन 244.65 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 40.7 प्रतिशत योगदान करता है। सब्जियों का उत्पादन 423.54 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 19.3 प्रतिशत योगदान करता है। दुग्ध उत्पादन 414 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 16.2 प्रतिशत योगदान करता है। मछली उत्पादन 1330 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 8 प्रतिशत योगदान करता है। कृषि

सेक्टर की सकल राज्य मूल्य संवर्धन (ॠश्अ) 2016-17 में ₹2 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 4.37 लाख करोड़ रुपए हो गई है जलवायु संरक्षित खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। बीहड़, बंजर और ऊसर भूमि के सुधार पर बल दिया जाएगा। प्रमाणित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी कृषि निर्यात और मूल्य संवर्धन को बढ़ाने पर जोर रहेगा। वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। नवाचार, जलवायु अनुकूल प्रजातियों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाएगा। फसल सघनता वर्तमान 182 प्रतिशत से बढ़ाकर 250 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। सिंचाई प्रबंधन, फसल नियोजन और गुणवत्ता निवेश से कृषि भूमि का अधिकतम उपयोग किया जाएगा। धान की उत्पादकता 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 45 क्विंटल करने का लक्ष्य। गेहूँ की उत्पादकता 41 से बढ़ाकर 55 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य मक्का की उत्पादकता 29 से बढ़ाकर 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य। दलहन की उत्पादकता 12 से बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य। तिलहन की उत्पादकता 13 से बढ़ाकर 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य मृदा में जीवांश कार्बन स्तर 0.3 से बढ़ाकर 1.0 तक करने की योजना हरी खाद, कम्पोस्ट और जैव उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा प्रदेश की 30 लाख हेक्टेयर बंजर और ऊसर भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा। इस भूमि पर दलहन, तिलहन और अन्य फसलों का उत्पादन किया जाएगा। ग्रामीण आजीविका और खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत को आधुनिक कृषि मशीनरी से संतृप्त किया जाएगा। लगभग 75 प्रतिशत कृषि मशीनीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। एआई आधारित उपकरण, ट्रेंच प्लांटर्स और सटीक यंत्रों का उपयोग बढ़ेगा। जेंडर फ्रेंडली और कम लागत वाले कृषि यंत्रों को बढ़ावा दिया जाएगा। गन्ने में सहफसली खेती को प्रोत्साहन दिया जाएगा। गन्ने के साथ सरसों, धनिया, मसूर, उड़द और मूंग की सहफसली खेती लगभग 14.5 लाख हेक्टेयर में की जाएगी। आगामी पांच वर्षों में प्रदेश में पांच बीज पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके बाद अन्य चार बीज पार्क क्रमशः स्थापित किए जाएंगे कृषि वानिकी को 'हर खेत में मेंड़, हर मेंड़ पर पेड़' अभियान से जोड़ा जाएगा। पॉपुलर, मिलिया डुबिया, आस्ट्रेलियन टीक, महोगनी और किरि ट्री जैसे पौधों का रोपण किया जाएगा। किसानों की आय तीन गुना करने के लिए उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। एफपीओ के माध्यम से निर्यात के अवसरों का विस्तार किया जाएगा। आधुनिक तकनीक से कृषि की उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि की जाएगी। 20 प्रतिशत फसल विविधीकरण का लक्ष्य रखा गया है मक्का, दलहन, तिलहन और सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। मक्के का क्षेत्र बढ़ाकर लगभग 50 लाख हेक्टेयर किया जाएगा। कीटनाशी रसायनों के उपयोग में 25 प्रतिशत कमी की जाएगी। प्राकृतिक खेती और जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा।

हरदोई-लखनऊ हाईवे पर आरओबी बना तैयार, फिर भी ट्रैफिक संचालन ठप

30 किमी सड़क और ओवरब्रिज तैयार, प्रशासन की सुस्ती से जाम में फंसे लोग हरदोई-लखनऊ नेशनल हाईवे पर देरी से बढ़ा हादसों का खतरा, लोग बोले 'अब तो रास्ता खोलो

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। हरदोई-लखनऊ नेशनल राज्यमार्ग हाईवे पर पैकेज-4 और रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य आरपी इंफ्रावेंचर प्राइवेट लिमिटेड और सोप्ति इंफ्राटेक लिमिटेड (संयुक्त उद्यम) ने करीब 30 किलोमीटर तक संपन्न कराया गया है। इसके बावजूद अब तक आरओबी पर ट्रैफिक संचालन

शुरू नहीं हो सका है। इस देरी के चलते बाज नगर स्थित गुजरे किसान पथ पर आने-जाने वाले वाहनों को रोजाना लंबा जाम झेलना पड़ रहा है। आए दिन लगने वाले जाम से स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सूत्रों के अनुसार इस मार्ग के टोल संचालन का ठेका 1 अगस्त 2025 को संदीप कंस्ट्रक्शन को मिल चुका है, लेकिन अब तक टोल संचालन शुरू नहीं हुआ है। टोल शुरू न होने से सरकार को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस बीच सर्दी का मौसम शुरू होने से कोहरे के कारण दृश्यता में कमी आई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि आरओबी और सड़क पूरी होने के बावजूद अभी भी पुराने संकरे रास्ते से ही आवागमन कराया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरओबी पर ट्रैफिक संचालन शुरू कराया जाए और टोल व्यवस्था लागू की जाए, ताकि जाम और दुर्घटनाओं की समस्या से राहत मिल सके।

ग्रामीणों की तत्परता और बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई ने टाला बड़ा हादसा, क्षेत्र में तनाव

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ मलिहाबाद के तरौना गांव में झुके हुए और जर्जर बिजली के खंभों ने ग्रामीणों की नींद उड़ा रखी थी। यह स्थिति किसी गंभीर दुर्घटना को निमंत्रण दे रही थी, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल था। स्थानीय निवासी सरवन कन्नौजिया ने खतरे की गंभीरता को समझा और बिना समय गंवाए जालमऊ पावर हाउस में एक लिखित प्रार्थना पत्र देकर अधिकारियों को इस जानलेवा स्थिति से अवगत कराया। सरवन की शिकायत पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने मामले की नाजुकता को भांपते हुए तुरंत संज्ञान लिया । उन्होंने तत्काल प्रभाव से एक तकनीकी टीम को मौके पर भेजा। टीम ने युद्धस्तर पर मरम्मत का कार्य शुरू किया और जल्द ही खतरनाक रूप से झुके हुए खंभों को ठीक कर दिया गया। बिजली विभाग की इस तत्परता की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि यदि समय रहते यह सुधार नहीं होता, तो कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जन जागरूकता और सरकारी विभागों की मुस्तैदी मिलकर बड़े खतरों को टाल सकती है। यदि आप भी अपने क्षेत्र में ऐसे किसी खतरे को देखते हैं, तो कृपया अपने स्थानीय बिजली विभाग से संपर्क करें या अपने राज्य की बिजली आपूर्ति कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करें। उत्तर प्रदेश के निवासी उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) की वेबसाइट पर जा सकते हैं।

सोयाबीन भावांतर राशि से झूमे सीहोर के किसान, सीएम मोहन यादव के सिंगल क्लिक पर 1300 रुपये प्रति क्विंटल मिले

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के किसानों के लिए त्योहारों के बाद एक और बड़ी खुशखबरी आई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देवास से सिंगल क्लिक कर सोयाबीन की फसल के भावांतर भुगतान की राशि 1300 रुपये प्रति क्विंटल किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दी।

इस राशि के आते ही सीहोर जिले के चंदेरी, माखेड़ी, रलावती और क्लास कला गांवों के किसान झूम उठे। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने डांडिया नाच कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद जताया। किसानों ने कहा, "मंडी में सोयाबीन 4500 रुपये क्विंटल बिकी, अब 1300 रुपये भावांतर से कुल 5800 रुपये मिले।

यह हमारे लिए दिवाली का तोहफा है।" एमएस मेवाड़ा ने बताया, "खराब फसल की राहत मिली, लेकिन बीमा राशि भी दिलाई जाए।" यह जश्न न केवल भावांतर योजना की सफलता को दशार्ता है, बल्कि किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटा रहा है। कैबिनेट ने सोयाबीन का मॉडल रेट 4036 रुपये घोषित किया था, लेकिन किसानों को 1300 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर भुगतान मिला। आइए, जानते हैं इस खुशी की पूरी कहानी – सिंगल क्लिक से डांडिया नाच तक, योजना की डिटेल और किसानों की मांगें।

1.32 लाख किसानों को 300 करोड़ ट्रांसफर, सीहोर के गांवों में जश्न

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 नवंबर 2025 को देवास में आयोजित कार्यक्रम से सिंगल क्लिक कर भावांतर भुगतान योजना के तहत 1.32 लाख किसानों के खातों में 300 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। यह राशि सोयाबीन की फसल के लिए थी, जहां मंडी मूल्य और टरढ के अंतर की भरपाई की गई। सीएम ने कहा, "किसानों की मेहनत का सम्मान है। भावांतर से कोई नुकसान नहीं होगा।"

सीहोर जिले में यह राशि आते ही गांवों में जश्न शुरू हो गया। चंदेरी, माखेड़ी, रलावती और क्लास कला गांवों में समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में किसान इकट्ठा हुए। डांडिया नाच हुआ, ढोल-मंजीरे बजे। एक किसान ने कहा, "4500 में बिकी फसल, 1300 भावांतर से 5800 मिले। घर का कर्ज उतरेगा।" मेवाड़ा ने कहा, "भैया मोहन ने वादा पूरा किया। मोदी जी का आशीर्वाद। लेकिन खराब फसल का बीमा भी दिलाएं।"

भावांतर योजना की डिटेलः 4036 मॉडल रेट, 1300 रुपये अंतर भुगतान – कैसे मिला लाभ?

कैबिनेट ने सोयाबीन का मॉडल रेट 4036 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया। मंडी में औसत 4500 रुपये मिले, लेकिन कुछ इलाकों में 4000 से कम। अंतर की भरपाईः

गणनाः टरढ/मॉडल रेट – मंडी मूल्य = भावांतर।

सीहोर मेंः औसत 4500 बिकी, लेकिन कम मूल्य वाले को 1300 तक।

कुल लाभः 1.32 लाख किसानों को 300 करोड़, प्रति किसान औसत 22,727 रुपये।